NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

स्वस्थ छत्तीसगढ़

State Health Resource Centre Chhattisgarh

पंचायत प्रतिनिधियों का जलवायु परिवर्तन एवं स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण रिपोर्ट : 2020-21

स्टेट क्लाइमेट चेंज एण्ड ह्यूमन हेल्थ सेल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़

एवं

राज्य स्वास्थ्य संसाधन केन्द्र, छत्तीसगढ़

मुझे मत
काटो

प्रस्तावना –

जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की सबसे गंभीर पर्यावरणीय समस्या और सबसे ज्यादा जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली समस्या के रूप में उभरा है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास लक्ष्य के तहत् ध्यान केंद्रित किए गए मुद्दों में से एक जलवायु परिवर्तन है। जलवायु परिवर्तन के लिए सैकड़ों कारण जिम्मेदार हैं और प्रमुख कारणों में से एक मानव गतिविधि है। मनुष्य ने अपनी आवश्यकता और लालच के कारण कई ऐसे कार्य किए हैं जो न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी नुकसान पहुंचाते हैं। जलवायु को नुकसान पहुंचाने वाली प्रमुख मानवीय गतिविधियों में वायु प्रदूषण, जीवाश्म ईंधन का जलना, औद्योगिक कचरा, वनों की कटाई और कई अन्य गतिविधियां शामिल है। ये सभी गतिविधियां जलवायु को बहुत नुकसान पहुंचाती है।

जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम न केवल मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करती है बल्कि दुनिया भर के सभी जीवन प्रक्रिया को प्रभावित करती है। इसलिए, हमें गर्मी और सूखे के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, समुदाय के बीच जागरूकता बढ़ाने और भविष्य में प्रत्याशित परिवर्तनों को सामना करने के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण एवं आवश्यक क्षमता तैयार करने और विकसित करने की आवश्यकता है। अगर हम कुछ नहीं करते हैं और चीजें अभी की तरह चलती रही तो भविष्य में एक दिन आएगा जब मनुष्य पृथ्वी की सतह से विलुप्त हो जाएगा। लेकिन इन समस्याओं को नजरअंदाज करने के बजाय अगर हम इसके समाधान पर काम करना शुरू करें तो हम पृथ्वी और अपने भविष्य को बचा सकते हैं।

अनुमानित जलवायु परिवर्तन से ग्रामीण भारत को बहुत अधिक नुकसान होने की संभावना है। इसलिए पंचायती राज संस्थानों को जलवायु परिवर्तन से निपटने में बड़ी भूमिका निभाने की जरूरत है। बेहतर प्रशिक्षण, सूचना, पर्याप्त समर्थन और संसाधनों के साथ, छत्तीसगढ़ में पंचायती राज संस्थानें जलवायु परिवर्तन के संबंध में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के बजट के तहत् स्टेट क्लाइमेट चेंज एंड ह्यूमन हेल्थ एवं राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र के संयुक्त प्रयास से राज्य के 21,995 पंचायत प्रतिनिधिओं को जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण दिया गया है।

प्रशिक्षण पुस्तिका का निर्माण–

छत्तीसगढ़ में जलवायु परिवर्तन पर पंचायत प्रतिनिधिओं का प्रशिक्षण एक नया विषय है। इसलिए आवश्यकता थी की जलवायु परिवर्तन के स्थानीय मुद्दों, साधन एवं संस्कृति को ध्यान में रखते हुए एक ऐसा प्रशिक्षण मॉड्यूल का निर्माण हो जिससे प्रतिभागी आसानी से जलवायु परिवर्तन समस्या को समझ पाएं तथा इस परिवर्तन को रोकने के दिशा में प्रेरित हो सकें। राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र एवं स्टेट क्लाइमेट चेंज एंड ह्यूमन हेल्थ शाखा के संयुक्त प्रयास से एक बेहतर प्रशिक्षण पुस्तिका का निर्माण किया गया।

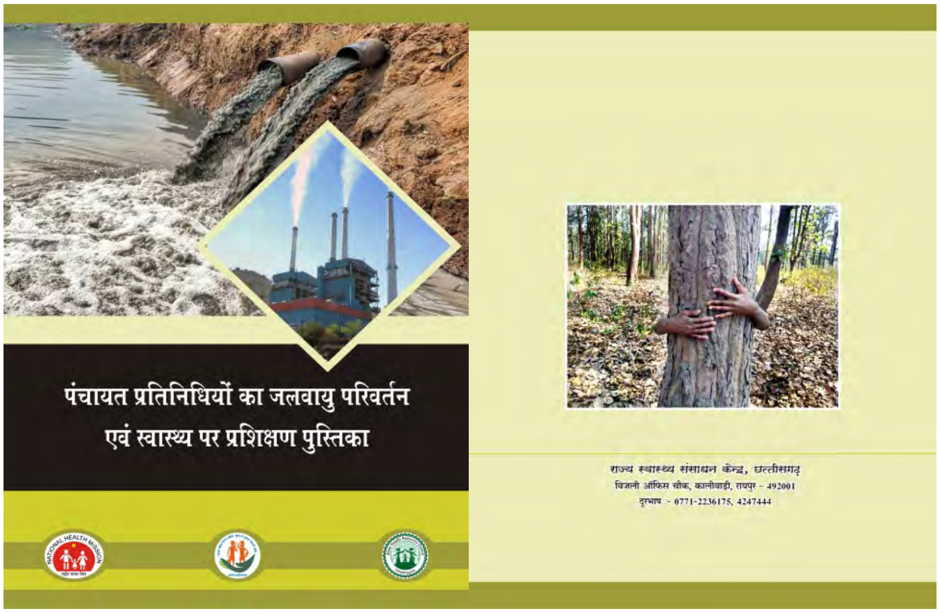

प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण –

जलवायु परिवर्तन को समझने और समझाने की कड़ी की शुरूआत जनवरी 2021 से की गयी। पहले चरण में राज्य स्तर पर राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र एवं स्टेट क्लाइमेट चेंज एंड ह्यूमन हेल्थ द्वारा मितानिन कार्यक्रम के 35 जिला समन्वयकों एवं 180 स्वस्थ पंचायत समन्वयकों को प्रशिक्षण दिया गया। इसी कड़ी में आगे जिला समन्वयकों द्वारा जिला स्तर पर 290 ब्लाक समन्वयकों को प्रशिक्षण दिया गया। स्वस्थ पंचायत समन्वयकों एवं ब्लाक समन्वयकों द्वारा ब्लाक स्तर पर 3,236 मितानिन प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।

उपरोक्त प्रशिक्षकों द्वारा 2,221 ग्राम पंचायतों के 21,995 पंचायत प्रतिनिधिओं का प्रशिक्षण किया गया है।

प्रशिक्षण प्राप्त पंचायत प्रतिनिधिओं के जिलावार संख्या

क्र.	जिला	पंचायत	प्रतिभागी
1.	सरगुजा	115	1141
2.	बलरामपुर	90	854
3.	सूरजपुर	97	1013
4.	कोरिया	68	687
5.	जशपुर	133	1295
6.	कोरबा	52	511
7.	रायगढ़	115	1159
8.	मुंगेली	49	504
9.	बिलासपुर	62	605
10.	गौरेला पेंड्रा	39	385
11.	जांजगीर चांपा	112	1094
12.	रायपुर	56	568
13.	बलौदाबाजार	106	1016
14.	गरियाबंद	84	854
15.	दुर्ग	53	533
16.	बेमेतरा	73	721
17.	कबीरधाम	56	554
18.	राजनांदगांव	142	1400
19.	धमतरी	60	619
20.	महासमुंद	65	643
21.	बालोद	98	918
22.	कांकेर	106	1066
23.	कोंडागांव	72	709
24.	नारायणपुर	27	261
25.	बस्तर	119	1162
26.	बीजापुर	64	636
27.	दंतेवाड़ा	70	697
28.	सुकमा	38	390
	कुल	**2221**	**21995**

प्रशिक्षण के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा जलवायु परिवर्तन को रोकने के दिशा में बनाई गई कार्ययोजना

(141 पंचायत के कार्ययोजना का विश्लेषण के अनुसार)

क्र.	विषय जिस पर पंचायत द्वारा कार्ययोजना बनाई गई है	पंचायत की संख्या
1.	कम्पोस्ट खाद, वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग बढ़ाना, रासायन खाद व कीटनाशक दवा पर रोक	119
2.	पेड़ लगाना	116
3.	वन संरक्षण–पेड़–पौधों की अवैध कटाई पर रोक, जंगल को आग लगने से बचाना	112
4.	धुआं रहित चूल्हा का निर्माण	109
5.	पालीथिन पर रोक व कपड़े के बैग का उपयोग	98
6.	नदी, तालाब की साफ सफाई, जानवरों को न नहलाना, कचरा फेंकने से रोकना, मनुष्य और जानवरों के लिए अलग तालाब	85
7.	सौर ऊर्जा लगाना	75
8.	कचरा प्रबंधन	68
9.	वर्षा के पानी को रोकना, सोखता गड्ढा बनाना, बांध बनाना	66
10.	साफ पीने का पानी की व्यवस्था, स्त्रोत के आसपास सफाई	61
11.	पंचायत स्तर पर जलवायु परिवर्तन रोकने समिति का गठन, कार्ययोजना बनाना, जागरूकता फैलाना, दीवाल लेखन	58
12.	कछुआ छाप अगरबत्ती की जगह मच्छरदानी का उपयोग	57
13.	शराब व तंबाखू पर रोक, शराब बनाने पर रोक	52
14.	खुले में शौच को रोकना, शौचालय का निर्माण, उपयोग	49
15.	वायु प्रदूषण–राईस मिल की चिमनी को ऊंचा करना, वाहन प्रदूषण पर रोक, वाहन का कम उपयोग, उद्योग प्रदूषण	46
16.	गंदे पानी का निकासी बनाना	35
17.	पैरा आदि ना जलाना, खेत में आग नहीं लगाना	34
18.	उद्योग व कारखानों पर रोक	31

19.	तालाब निर्माण एवं तालाब के चारों ओर पेड़ लगाना	31
20.	मिट्टी संरक्षण	29
21.	पटाखे पर रोक	28
22.	कम पानी में होने वाली फसल बोना, धान की खेती	28
23.	ईटा भट्ठा में रोक	23
24.	इलेक्ट्रिक वाहन को बढ़ावा देना	23
25.	जनसंख्या नियंत्रण–परिवार नियोजन	22
26.	बोर खनन पर रोक लगाना	19
27.	गोबर गैस का उपयोग	19
28.	गाय पालन	16
29.	गांव की साफ सफाई	14

इस प्रशिक्षण में जलवायु परिवर्तन के पहचाने गए प्रमुख कारण व उसके समाधान हेतु तय किये गये कार्ययोजना के कुछ प्रमुख बिन्दु निम्नानुसार है –

- चूंकि राज्य में ज्यादातर लोग खेती किसानी से जुड़े हुए हैं इसलिए रासायनिक खाद व रासायनिक दवा को जलवायु परिवर्तन के एक प्रमुख कारण के रूप में 141 पंचायत में से 119 पंचायत (84%) द्वारा पहचाना गया है एवं इसके समाधान के लिए रासायनिक दवा का उपयोग बंद कर जैविक खाद व दवा का उपयोग करने की कार्ययोजना बनाई गई है।
- सड़क, उद्योग, व्यावसायिक परिसर, रहवासी परिसर बनाने के लिए वर्तमान में अंधाधुंध पेड़ों की कटाई की जा रही है इसके साथ ही जंगल में आग लगना भी जलवायु परिवर्तन के एक कारण के रूप में 116 (82%) पंचायतों द्वारा पहचाना गया है। जिसके समाधान के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संकल्प लिया गया है।

- लकड़ी के धुएं से मुक्ति के लिए 109 (77%) पंचायत द्वारा घरो में धुआं रहित चूल्हा बनाने का निर्णय लिया गया है।

- पालीथिन पर्यावरण के लिए बहुत नुकसानदायक होता है इसे 98 (70%) पंचायत द्वारा एक गंभीर समस्या के रूप में पहचाना गया एवं इसके लिए गांव में, बाजार में पालीथिन, पालीथिन के बने सामानों डिस्पोसेबल को बंद कर पत्तल, स्टील के बर्तनों का उपयोग किये जाने का निर्णय लिया गया है।

- गांव में तालाब जल का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत होता है इसमें जानवरों को नहलाना, कचरा डालना आदि समस्या को 85 (60%) पंचायत द्वारा पहचाना गया है एवं इसमें सुधार के लिए मनुष्यों के लिए और जानवरों के लिए अलग–अलग तालाब होने व गंदगी पर रोक लगाने के लिए कार्ययोजना बनाई गई है।

- ईंधन को बचाने के लिए सौर ऊर्जा को अपनाने के लिए 75 (53%) पंचायत द्वारा कार्ययोजना बनाई गई है।
- 68 (48%) पंचायत द्वारा गांव में सुखा कचरा और गिला कचरा के प्रबंधन की समस्या को पहचानते हुए उसमें सुधार करने के लिए कार्ययोजना बनाई गई है।
- हर साल पानी की कमी की समस्या को पहचानते हुए वर्षा जल संरक्षण करने के लिए 66 (47%) पंचायत द्वारा कार्ययोजना बनाई गई है।
- पीने के पानी के स्त्रोत के आस पास गंदगी को 61 (43%) पंचायत द्वारा एक समस्या के रूप में पहचानते हुए पीने के पानी की समस्या को दूर करने एवं पानी के स्त्रोत के पास साफ–सफाई किये जाने का निर्णय लिया गया है।
- जलवायु परिवर्तन पर लोगों में जागरूकता लाने के लिए पंचायत स्तर पर एक समिति का गठन करने के संबंध में 58 (41%) पंचायत द्वारा कार्ययोजना बनाई गई है।
- 57 (40%) पंचायत द्वारा मच्छर भगाने की आधुनिक तरीकों को जलवायु परिवर्तन की एक समस्या के रूप में पहचानते हुए इस पर रोक लगाकर लोगों को मच्छरदानी का उपयोग करने एवं नीम के पत्ती का धुआं करने के लिए समझाने की कार्ययोजना बनाई गई है।

जलवायु परिवर्तन प्रशिक्षण पर पंचायत प्रतिनिधियों का अनुभव

विकासखंड–मनेन्द्रगढ़, जिला–कोरिया

प्रशिक्षण के दौरान पर्यावरण प्रदूषण पर चर्चा के दौरान केल्हारी सरपंच के द्वारा बोला गया कि मेरे बीड़ी पीने से भी वातावरण प्रदूषित होता है इसलिए आज से मैं बीड़ी पीना छोड़ने का प्रयास करूंगा।

विकासखंड–अंबागढ़ चौकी, जिला–राजनांदगांव

पंचायत केकतीटोला में जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण के बाद उप सरपंच के घर शादी होने वाली थी। उप सरपंच ने प्रशिक्षण में बोला कि प्रदूषण की रोकथाम मैं अपने घर से शुरू करूंगा, अभी मेरे घर में शादी है तो मैं शादी में भोजन के लिए सिल्वर पत्तल की जगह पतरी में खाना खिलाऊंगा और डिसपोसेबल की जगह स्टील ग्लास का उपयोग करूंगा।

विकासखंड–तिल्दा, जिला–रायपुर

ग्राम फरहदा में जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण के दौरान सभी पंचों ने पेड़ लगाने का संकल्प लिया और प्रशिक्षण के बाद उनके द्वारा 100 पेड़ लगाए गए हैं।

विकासखंड–मरवाही, जिला–गौरेला पेंड्रा

ग्राम पथर्रा में सरपंच और पंचों का जलवायु प्रशिक्षण के दौरान गांव के एक परिवार के घर में कुछ कार्यक्रम चल रहा था जिसमें उनके द्वारा घर में पटाखा फोड़ा जा रहा था और डीजे भी बुलाकर तेज आवाज में गाना बजाया जा रहा था। गांव के सरपंच और पंच ने उन्हें समझाया की पटाखा जलाने से वायु प्रदूषण होता है जो हम सबके लिए हानिकारक है। सरपंच और पंच की बात को समझते हुए उस परिवार ने उसी समय पटाखा जालान बंद कर दिया और डीजे भी बंद करवा दिए।

विकासखंड–सिमगा, जिला–बलौदाबाजार

ग्राम बरदीह, मोहरा, हिरमी, परसवानी में पंचायत प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण के बाद ग्राम मोहरा के पास फैक्ट्री लगाने की बात करने के लिए कुछ लोग मोहरा पंचायत में आए थे तो पंचायात के लोगों ने उनका जमकर विरोध किया जिसके फलस्वरूप अब गांव में फैक्ट्री नहीं लग रही है।

विकासखंड–फिंगेश्वर, जिला–गरियाबंद

ग्राम पंचायत कोमा में प्रशिक्षण के दौरान धुएं से पर्यावरण को होने वाले नुकसान और खाना पकाते समय महिलाओं को धुएं से होने वाली समस्या को सुनकर पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा प्रशिक्षण के बाद उन्हें धुआं रहित चूल्हा बनाना सीखाने के लिए प्रशिक्षकों को बोला गया। सरपंच, पंचों व जनपद सदस्य द्वारा सामग्री उपलब्ध करा दी गयी और प्रशिक्षकों के द्वारा चूल्हा बनाकर दिखाया गया।

प्रशिक्षण पश्चात् की उपलब्धि –

पेड़ कटाई को रोकने के लिए सिरपुर सेक्टर महासमुंद द्वारा अभिनव प्रयास

जंगल को आग से बचाते ग्रामीण व पौधारोपण सिंगीबहार-फरसाबहार

गांव की साफ-सफाई, अर्जुनी

धुआं रहित चूल्हा का निर्माण - डूमरिया-बैकुंठपुर, कन्हार-नारायणपुर

एल्युमिनियम खदान खोलने का विरोध चिरगा-बतौली

रवान-बलौदाबाजार

कम्पोस्ट खाद बनाते हुए, गुल्लीडांड-मरवाही

निष्कर्श –

जलवायु परिवर्तन के विषय पर राज्य में एक सकरात्मक परिवर्तन लाने के लिए स्टेट क्लाइमेट चेंज एण्ड ह्यूमन हेल्थ, छत्तीसगढ़ एवं राज्य स्वास्थ्य संसाधन केन्द्र, छत्तीसगढ़ के संयुक्त प्रयास से मितानिन कार्यक्रम के माध्यम से वर्ष 2020–21 में पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण किया गया। इस प्रशिक्षण में पर्यावरण को बचाने के लिए पंचायत स्तर पर कार्ययोजना बनायी गयी। यह कार्ययोजना को कार्यरूप में बदलने के लिए पंचायत प्रतिनिधयों के द्वारा गंभीरता के साथ कार्य की शुरूआत कर दी गयी है जैसे की पेड़ लगाना, कचरा प्रबंधन, धूआं रहित चूल्हे का निर्माण, जंगल की कटाई पर रोक, तालाब व पानी के स्त्रोत की स्वच्छता आदि। गांव में मितानिन और ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति के सदस्य यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि प्रशिक्षण के दौरान बनाई गई कार्ययोजना का जमीनीस्तर पर क्रियान्वयन हो।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचने के लिए निरंतर प्रयास किये जाने की आवश्यकता है। इसलिए वर्ष 2021–22 में भी 20 हजार पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण करने का कार्ययोजना है। स्टेट क्लाइमेट चेंज एण्ड ह्यूमन हेल्थ, राज्य स्वास्थ्य संसाधन केन्द्र, मितानिन कार्यक्रम एवं पंचायत प्रतिनिधियों के सहभागिता में जलवायु परिवर्तन को रोकने एवं जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने की दिशा में किये जा रहे प्रयास आगामी दिनों में एक बेहतर परिणाम ला सकती है।

जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण का आयोजन

मैनपुर। विकासखण्ड मैनपुर अंतर्गत सेंक्टर गोहरापदर में पंचायत प्रतिनिधियों का जलवायु परिवर्तन एवं मानस स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान मास्टर ट्रेनर पार्वती नागेश, उपवनती यादव ने इसके सबंध में विस्तार से बताया। लगातार बढ़ती जनसंख्या शहरीकरण एवं जंगल के कटने से तापमान का बढ़ना वर्षा में कमी, रोगो का फैलना, आर्थिक नुकसान के सबंध में बताया। साथ ही जंगल में आग लगने से इसके नुकसान के साथ ही मलेरिया, डेंगू, हैजा, पिलिया, डायरिया, हेपेटाइटिस, सांस सबंधित बीमारी के बारे में बताया। इस मौके पर प्रमुख रूप से गोहरापदर सरपंच हेमांदी मांझी, भीम यादव, प्रमिला नेताम, जोगनी नेताम, सुमित्र यादव, सुबे मांदी, फाल्गुनी नेताम, भगवंतीन नायक, बिंदा कश्यप, ममता कश्यप, पदुनाथ कोमर्रा, जससिंह मांझी, बालुराम यादव, शकुन्तला मांझी, दुपती मांझी, सुरेश हंसराज, वासुदेव नेताम, ओमप्रकाश नेताम, चंद्रिका मांझी, कविता नेताम, लक्ष्मी नागेश सहित बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जलवायु परिवर्तन विषय पर दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| फिंगेश्वर

ग्राम पंचायत कोमा में दो दिवसीय जलवायु परिवर्तन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें तीन ग्राम पंचायतों के पंच एवं सरपंच शामिल हुए। प्रशिक्षण का कार्य मधु एवं भारतीय श्रीवास एवं स्टाप के द्वारा दी गई। इस अवसर पर सरपंच भुनेश्वरी बंजारे, यर्थाथ शर्मा एवं कुम्ही के सरपंच खेमसिंह ध्रुव शामिल रहे।

इंसानों की गलती से पर्यावरण में कई बदलाव आ रहे

पेंड्रा। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में पंचायत प्रतिनिधियों का जलवायु परिवर्तन एवं स्वास्थ्य पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन मरवाही के ग्राम पंचायत पथर्रा में आयोजित किया गया था। जिसमे पंचायत प्रतिनिधियों को जलवायु परिवर्तन के विषय पर जानकारी देते हुए बताया कि जिस तरह से वर्तमान में प्राकृतिक आपदाओं का बढ़ना। पर्यावरण में परिवर्तन के मुख्य कारण है कि पर्यावरण में कुछ बदलाव तो प्राकृतिक है पर हाल के वर्षों में इन्सानों की गलती से पर्यावरण में कई बदलाव आ रहे हैं। वहीं इन्सानों की बढ़ती हुई जनसंख्या और जरूरतें- जनसंख्या में हुई वृद्धि के कारण पृथ्वी पर हर उस गतिविधि में तेजी आई है जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। जनसंख्या में वृद्धि के कारण शहरों का भी विस्तार हो रहा है। इसके अलावा शहरों का विस्तार से जंगल तथा खेती भूमि का अतिक्रमण होता जा रहा है। इससे पेड़ - पौधे और जानवरों को भी नुकसान होता है। इसके साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों को स्वास्थ्य के विषय पर जानकारी दी गई। जिसमें स्वास्थ्य के संबंध में बताया गया कि जिस प्रकार से इन दिनों कोरोना वायरस की समस्याओं से सभी लोग घिरे हुए हैं। वही यह कोरोना वायरस दूसरे व्यक्ति जिसको बीमारी हो, कोरोना के संक्रमित मरीज से सीधे संपर्क में आने से फैलता है। वही कोरोनावायरस के फैलने कारण जैसे जुकाम, खासने, छीकने से कण या किसी वस्तु पर आ जाते है जैसे कि टेबल, हैंडल आदि, उसको अन्य व्यक्ति छूता है, तो उसके हाथ में कीटाणु आ जाते है। जब वह व्यक्ति ऐसे हाथ से अपने मुंह को छूता है तो उसके शरीर में कीटाणु आ जाते है।

प्रशिक्षण जलवायु परिवर्तन संबंधित प्रशिक्षण का समापन

'जलवायु परिवर्तन से बढ़ा है पर्यावरण प्रदूषण'

[illegible] में जलवायु परिवर्तन प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित ग्रामीणजन। • नईदुनिया

[illegible] (नईदुनिया न्यूज)। शासन के निर्देश अनुसार ग्राम पंचायत [illegible] में पंचायत प्रतिनिधियों का एक दिवसीय जलवायु परिवर्तन प्रशिक्षण हुआ। जिसमें जलवायु परिवर्तन एवं स्वास्थ्य संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ सरपंच [illegible] साहू ने किया। [illegible] सरपंच कमलनारायण, [illegible] सरपंच हेमलाल साहू और तीनों ग्राम के पंचगण उपस्थित थे।

स्वास्थ्य समन्वयक ममता यादव द्वारा प्रशिक्षण में बताया कि जलवायु परिवर्तन से पर्यावरण प्रदूषण बढ़ा है।

इससे हमारे स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। पर्यावरण प्रदूषण को रोकने पंचायत प्रतिनिधि की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। प्रतिनिधियों को कार्य योजना बनाकर इस पर काम करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही मितानिन ट्रेनर [illegible] ने बताया कि हमारे नदी, नाले, तालाब, कृषि भूमि, गांव प्रदूषित हो रहे हैं। कार्यकर्ताओं को मितानिन द्वारा सुन्दर रूप से प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर उपसरपंच [illegible], ओमप्रकाश साहू, सन्तोष यादव, राजेंद्र कुमार साहू, मोनिका साहू, कौशिक साहू, त्रिवेणी साहू, संतोष साहू, कुलेश्वरी धीवर, [illegible] यादव, [illegible] प्रजापति, [illegible], [illegible] सोनी, [illegible] निर्मलकर, [illegible], [illegible], कल्याणी दुबे, [illegible] बंजारे, [illegible] बंजारे, टिकेश्वर साहू उपस्थित थे।

प्रशिक्षण में दी जलवायु परिवर्तन की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| राजनांदगांव

मितानिन कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक समन्वयक जुगन साहू ने जलवायु परिवर्तन के बारे में पंचों व सरपंचों को अवगत कराया एवं असमय वर्षा, गर्मी, ठंड के कारणों को बताया गया। उन्होंने अत्यधिक उर्वरक, कीटनाशकों के उपयोग को कम करने के बारे में जानकारी दी। जिसमें उनके साथ मास्टर ट्रेनर रोहिणी साहू, ग्राम दीवान झिटिया के सरपंच नरपत सिंह राजपूत, दीवान भेड़ी की सरपंच सुमित्रा लीलमबन गोस्वामी एवं धौराभांठा सरपंच पीताम्बर देशलहरे, पंच अमरदास साहू एवं पंचगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में प्रमुख रूप से मितानिन यामिनी सिन्हा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके साथ मितानिन ईश्वरी सिन्हा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कमला सिन्हा, सहायिका ललिता सिन्हा ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारी की जानकारी दी

पंचायत स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण

• नवभारत संवाददाता। [illegible]
www.navbharat.org

गत दिनों पंचायत स्तरीय दो दिवसीय जल व वायु प्रदूषण हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है. स्वास्थ्य समन्वयक श्रीमती हेमलता सेन व स्वच्छता समन्वयक श्रीमती हेमवती यादव द्वारा ग्राम पंचायत सुकुलबाय व मरौद के पंचायत प्रतिनिधियों को जलवायु प्रदूषण से होने वाली बीमारी की जानकारी व उनके रोकथाम के उपाए बताए जा रहे हैं. उन्होंने बताया कि सभी पंचायतों में सरपंच के अलावा लगभग 9 पंचों का होना अनिवार्य है. तथा प्रशिक्षण के पश्चात प्रतिनिधि अपने-अपने गांव की गली-मोहल्ले में इस संबंध में लोगों को जागरूक करने हेतु प्रेरित करेंगे.

मुजबहाल में पर्यावरण जलवायु प्रशिक्षण का आयोजन

मैनपुर . दो दिवसीय जलवायु प्रशिक्षण का आयोजन मुजबहाल में किया गया जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया . इसमें आसपास की 4 ग्राम पंचायतों के सरपंच समेत पंच उपस्थित थे . प्रशिक्षण श्रीमती पार्वती जी मैनपुर द्वारा दिया गया . अंतिम दिन डॉ . राजेंद्र प्रसाद फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष एम एम जोशी रायपुर से विशेष रूप से उपस्थित थे . शाल देकर सभी प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया एवं पर्यावरण से संबंधित जानकारी भी साझा की गई .

जलवायु परिवर्तन जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

खरसिया। जनपद पंचायत खरसिया अन्तर्गत ग्राम पंचायत बड़े डूमरपाली में राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र रायपुर के माध्यम से 9 मार्च से 10 मार्च तक गैर आवासीय जल वायु परिर्वतन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया। स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक उमा भारती राठौर ने प्रशिक्षण के माध्यम से सत्र की शुरुआत खुली चर्चा के माध्यम से किया व प्रतिभागियों को प्रश्न पूछा।

प्रतिभागियों ने दिए गए प्रश्न के उत्तर को चार्ट पेपर के माध्यम से लिख कर बताया एवं जलवायु परिवर्तन के बारे में सरपंच पंच को जानकारी भी दी। हमारा पर्यावरण मिट्टी में प्रदूषण समुदाय और पंचायत की भूमिका, जल प्रदूषण पर्यावरण क्या है, वायु प्रदूषण के बारे में, सभी सरपंच पंच को जानकारी दी। प्रशिक्षण के आखिरी सत्र मे प्रतिभागियों को समुदाय के लिए आगामी एक वर्ष मे जल वायु में परिवर्तन को रोकने वर्तमान के समस्या से निपटने एवं भविष्य के समस्या के लिए आवश्यक तैयारी के संबंध में क्या क्या कदम उठाए, इसके लिए 10 बिन्दु प्रमुख एक्शन पॉइंट कार्य योजना तैयार किये गए। जिसे ग्राम पंचायत के सरपंच पंच द्वारा एक वर्ष मे बनायी गयी कार्य योजना को पूर्ण कार्य करने का अश्वसान भी दिया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान ग्राम पंचायत बड़े डूमरपाली, रजघट्टा, नवागांव से कुल 21 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

दिवान झिटिया में जलवायु प्रशिक्षण कार्यक्रम

• नवभारत [illegible]
www.navbharat.org

मितानीन कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक समन्वयक श्रीमती जुगन साहू ने जलवायु परिवर्तन के बारे में पंचों सरपंचो को अवगत कराया एवं असमय वर्षा, गर्मी, ठंड के कारणों को बताया एवं अत्यधिक उर्वरक, कीटनाशकों के उपयोग को कम करने के बारे में बताया जिसमें उनके साथ मास्टर ट्रेनर श्रीमती रोहिणी साहू, ग्राम दीवान झिटिया के सरपंच नरपत सिंह राजपूत दीवान भेड़ी की सरपंच श्रीमती सुमित्रा लीलमबन गोस्वामी एवं धौराभांठा के सरपंच श्री पीताम्बर देशलहरे, पंच श्री अमर दास साहू एवं पंचगण उपस्थित रहें. आयोजन में प्रमुख रूप से मितानीन श्रीमती यामिनी सिन्हा की महत्वपूर्ण भूमिका रही उनके साथ मितानीन ईश्वरी सिन्हा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती कमला सिन्हा, श्रीमती ललिता सिन्हा ने कार्यक्रम को सफल बनाया.

शिक्षक प्रमोध सिरदार का सम्मान

मुरमुंदा (डोंगरगढ़) । विगत दिनों डोंगरगढ़ के समीपस्थ ग्राम मुरमुंदा में इंग्लिश लेंगवेज टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एल्टाई) राजनांदगाँव चेप्टर के बैनर तले इंग्लिश लैंगवेज लर्निंग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया .

पर्यावरण जलवायु परिवर्तन पर किया प्रशिक्षण का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मैनपुर

ग्राम पंचायत कोदोभाटा में पर्यावरण जलवायु परिवर्तन पर आज प्रशिक्षण का अंतिम दिन था। जिसमें सरपंच भारती, उपसरपंच प्रेमशिला नायक सचिव गजेंद्र ध्रुव, पंच रामायण नागेश, घनश्याम नेताम, देव सिंह नागेश, डुमिनी नायक, डबल सिंह बघेल, बनिता मरकाम, भोज लाल, चिखली पंचायत कुंतला बाई सरपंच, उपसरपंच हीरालाल बघेल, माल पंचायत से खगेश्वर, पंच डाली बाई, भैंसमुड़ी पंचायत से टीके मनी, चलती बाई मोहर मनी पंच कुमारी भाई दीनबंधु पंच तथा समस्त ग्रामवासी आज पर्यावरण बदलाव के लिए 1 साल का कार्य योजना तैयार करके शपथ लिया गया एवं वहां पर उपस्थित मास्टर ट्रेनर उपवन 3 यादव एवं मास्टर ट्रेनर पार्वती नागेश एसबीएस एवं सहयोगी टिकेश्वर बघेल उपस्थित थे।

भटभेरा में दो दिवसीय जलवायु परिवर्तन परीक्षण चालू

सुहेला (अमर स्तम्भ) = ग्राम पंचायत भटभेरा में दो दिवसीय जलवायु परिवर्तन प्रशिक्षण ग्राम पंचायत भवन में किया जा रहा है । जिसमें ईश्वरी वर्मा एमटी ने बताया की करोना से डरना नहीं है कोरोना से लड़ना है यदि कोई व्यक्ति का सर्दी खांसी बुखार उल्टी दस्त होता है तो तुरंत उप स्वास्थ्य केंद्र जांच अवश्य कराएं अगर कोरोना का लक्षण लगता है । तो अपने नजदीकी उप स्वास्थ्य केंद्र में जाकर अवश्य जांच करावे कोरोना से बचाव के लिए सावधानी बरतनी होगी जैसे मास्क सैनिटाइजर दूरी बनाकर रहना बार बार साबुन हाथ धोना हमेशा मास्क लगाना अगर कोई खासता है , तो कीटाणु निकलता है , मस्का लगाना अति आवश्यक है, तभी कोरोना से बच सकते हैं । इसी प्रकार मानेश्वरी साहू

एमटी समन्वयक ने बताया कि पर्यावरण हमारे आसपास के वातावरण साफ सफाई रखना चाहिए । हर व्यक्ति को एक-एक मेल लगाना चाहिए जैसे बेमौसम बारिश होना पेड़ पौधों को काटना वायु प्रदूषण जल संरक्षण में वृद्धि होना इसलिए हम सबको अपनी गांव गली चौक चौराहा आंगन घर द्वार को हमेशा साफ सुथरा रखना चाहिए जलवायु परिवर्तन प्रशिक्षण में उपस्थित ईश्वरी वर्मा , एमटी मानेश्वरी साहू , एसपीएस समन्वयक इंद्रानी चौहान , एमपी बेदिन रामकुमार साहू सरपंच , उपसरपंच जितेंद्र कुमार निषाद , उमा यादव उपसरपंच बासीन , पंचगण ममता राव शकुन , ध्रुव सती , कमला राय , मीना साहू , जगत राम साहू , अवध ध्रुव , सुनीता साहू , लता कुमारी , जामुन बंजारे , ललिता साहू , रामप्रसाद , नेतराम निषाद , सुशील वर्मा , शिवकुमारी बंजारे , सहित लोग उपस्थित रहे ।

पंचायतों को प्रदूषण मुक्त बनाने पहल

बानगर में हुआ जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण

कुरूद. विकासखंड कुरूद के विभिन्न ग्रामों में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों का जलवायु परिवर्तन एवं स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित किया जा रहा है जिसमें बानगर में यह शिविर सम्पन्न हुआ. यह प्रशिक्षण 30 और 31 मार्च को मडेली में आयोजित होगा. बानगर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में कोरोना वायरस से बचाओ हमारा पर्यावरण जल प्रदूषण वायु प्रदूषण मिट्टी प्रदूषण समुदाय एवं पंचायत की भूमिका पर प्रशिक्षक स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक सुशीला निर्मलकर ने प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य जलवायु परिवर्तन के संबंध में पंचायत जनप्रतिनिधियों को जागरूक कर ग्राम पंचायतों को प्रदूषण मुक्त बनाना के साथ-साथ पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता लाना है इस प्रशिक्षण से प्रशिक्षित होकर पंचायत जनप्रतिनिधि अपनी अपनी पंचायतों में इस दिशा में कार्य कर पंचायतों को प्रदूषण मुक्त बना सकते हैं. ग्राम पंचायत में जागरूकता लाने के लिये उप-सरपंच तामेश्वर लाल, पंच भूषण साहु धर्मेंद्र पटेल चेतन साहु दुर्जन सिंह ध्रुव ने शिविर में जिम्मेदारी ली है. इस अवसर पर सरपंच निमर्ला साहु, चंद्रिका ध्रुव उपसरपंच तामेशवर, पंच ललिता, टिकेशवरी जानकी भूषण, चन्द्र प्रभा, सतरूपा, ताकेशवरी, बानगर के साथ साथ पड़ोसी पंचायतों के जनप्रतिनिधि शामिल हुए.

जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण का आयोजन

कुरूद. विकासखंड कुरूद के विभिन्न ग्रामों में राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों का जलवायु परिवर्तन एवं स्वास्थ्य पर दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 20-21 मार्च भैंसमुंडी, 22-23 मार्च देवरी, 24-25 मार्च बानगर तथा 30-31 मार्च मडेली में आयोजित होगा. भैंसमुंडी के ग्राम पंचायत भवन में आयोजित हुए इस प्रशिक्षण शिविर में कोरोना वायरस से बचाओ हमारा पर्यावरण जल प्रदूषण वायु प्रदूषण मिट्टी प्रदूषण समुदाय एवं पंचायत की भूमिका पर प्रशिक्षक स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक श्रीमती सुशीला निर्मलकर ने प्रशिक्षण दिया. उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य जलवायु परिवर्तन के संबंध में पंचायत जनप्रतिनिधियों को जागरूक कर ग्राम पंचायतों को प्रदूषण मुक्त बनाने के साथ-साथ पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता लाना है. इस प्रशिक्षण से प्रशिक्षित होकर पंचायत जनप्रतिनिधि अपनी अपनी पंचायतों में इस दिशा में कार्य कर पंचायतों को प्रदूषण मुक्त बना सकते हैं. इस अवसर पर सरपंच डीलन चंद्राकर त्रिलोक चंद साहू अभिमन्यु निषाद, शत्रुघ्न बारले, गांधी राम साहू, राम कुमार देवानंद, गौरेंद्र साहू अर्जुन राम, भूपेंद्र पटेल, हरीशचंद ध्रुव, रुक्मणी सिन्हा, नेमीन सिन्हा, कुंती साहू आशा साहू, सुलोचना चंद्राकर, उषा यादव, सेवती साहू सहित पंचायत जनप्रतिनिधियों के साथ साथ स्वास्थ्य विभाग की मास्टर ट्रेनर वृंदा शामिल थे.